A–0167

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY (N)-222

त्रिस्कन्ध ज्योतिष

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वेदांग ज्योतिष का विश्लेषण कीजिए।
2. ज्योतिशास्त्र की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए।
3. व्यावहारिक ज्योतिष का प्रतिपादन कीजिए।

4. संहिता ज्योतिष पर टिप्पणी लिखिए।

5. त्रिस्कन्ध ज्योतिष से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पंचस्कन्धात्मक ज्योतिष से आप क्या समझते हैं ?

2. जातक स्कन्ध का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. ज्योतिष के प्रवतर्कों का उल्लेख कीजिए।

4. ज्योतिष की वैज्ञानिकता सिद्ध कीजिए।

5. ज्योतिष की उपादेयता पर प्रकाश डालिए।

6. सौर, सावन, नाक्षत्र एवं चान्द्र मान का वर्णन कीजिए।

7. भास्कराचार्य जी का परिचय दीजिए।

8. सिद्धान्त ज्योतिष का प्रतिपादन कीजिए।

****